nt>
Title: Made a statement on the protest raised by Hon'ble Member of Parliament on telecasting the documentary on Sardar Sarovar Project.

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संचार मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): सभापति जी, २४ जुलाई, शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान इस सदन में कुछ माननीय सदस्यों ने दूरदर्शन पर सरदार सरोवर परियोजना से संबंधित एक डाकुमैंटरी दिखाने के प्रति अपना विरोध दर्ज करते हुए मामला उठाया था। संसदीय कार्य मंत्री ने यहां आश्वासन दिया था कि मैं सोमवार को इस पर वक्तव्य दूंगी। उनके उसी आश्वासन की पूर्ति करते हुए, आपकी अनुमति से यह वक्तव्य सदन में रखना चाहती हूं।

दिनांक १९ जुलाई, १९९८ को दूरदर्शन ने सरदार सरोवर परियोजना (नर्मदा नदी) से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास पर एक पुरस्कृत फिल्म ठलाहा' प्रसारित की थी। उक्त २८ मिनट का प्रसारण भारतीय वृत्तचित्र निर्माता संघ (आई.डी.पी.ए.) पेनोरमा वृत्तचित्र समय स्लॉट में रात्रि १०.३२ बजे शुरु हुआ था।

ठलाहा' १६ एम-एम में फिल्माई गई एक रंगीन फिल्म है। इसे पूर्व में वर्ष १९९४ में इसके ४० मिनट के मूल फार्मेट में प्रसारित किया गया था। इस फिल्म का निर्माण प्रतिष्ठित वृत्तचित्र निर्माता सुश्री सुमित्रा भावे तथा श्री सुनील सुखथांकर ने १९९४ में किया था। इसे १९९६ में बारसिलोना में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुए थे और इसने १९९४ में तिरूवनन्तपुरम अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह तथा १९९६ में मुम्बई फिल्म समारोह में इसके प्रदर्शन के दौरान पुरस्कार प्राप्त किए थे। ठलाहा' को सेंसर बोर्ड ने सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए स्वीकृत कर दिया है।

दूरदर्शन और भारतीय वृत्तचित्र निर्माता संघ (आई.डी.पी.ए.) के बीच पिछले वर्ष हुए करार को अन्तर्गत भारतीय वृत्तचित्र निर्माता संघ को रविवार को रात्रि १०.३२ बजे २८ मिनट का समय स्लॉट आवंटित किया गया। रविवार को रात्रि १०.३२ बजे के पेनोरमा वृत्तचित्र समय स्लॉट में प्रसारित किए जाने वाले वृत्तचित्रों का चयन एक समिति द्वारा किया जाता है जो दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारण संबंधी सामान्य नीतियों को ध्यान में रखते हुए सभी आवेदित फिल्मों का पूर्वदर्शन करती है। चयन समिति में दो पत्रकार, भारतीय वृत्तचित्र निर्माता संघ की कार्यकारी समिति के दो सदस्य, दो बाहरी फिल्म निर्माता और दो वृत्तचित्र फिल्म निर्माता शामिल हैं। भारतीय वृत्तचित्र निर्माता संघ के अध्यक्ष श्री अरूण खोपकर, वृत्तचित्र फिल्मों के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम और व्यक्तितत्व हैं।

सभापति जी, दूरदर्शन पर कार्यक्रमों का प्रसारण अब प्रसार भारती के कार्य क्षेत्र में आता है जिस का ऐसे मामलों में पूरे अधिकार देकर एक स्वायत्त सांविधिक संगठन के रूप में गठन किया गया है।

... (व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : सभापति महोदय, यह ठीक है कि यह फिल्म बनाई गई है लेकिन सरदार सरोवर के बारे में जो तथ्य बताये गये हैं, वे बिलकुल गलत हैं ... (व्यवधान).. गुजरात में सरदार सरोवर योजना बन रही है, उनके विस्थापितों के लिये मध्य प्रदेश और गुजरात की सरकारों ने जो-जो काम किये हैं, उन तथ्यों को इस फिल्म के जरिये गलत रूप से दर्शाया गया है

... (व्यवधान)

.. हमारा विरोध इसलिये है कि सही तथ्यों का चयन किया जाये और हमारी भावनाओं की कद्र की जाये। जो इस फिल्म में बताया गया है, वह तथ्यों से परे है

... (व्यवधान)

.. सुप्रीम कोर्ट में केस पड़ा हुआ है। ऐसे तथ्यों से प्रकट होता है कि गुजरात राज्य के हितों की अवहेलना की गई है। हमारा विरोध इसलिये है और हम सरकार से प्रार्थना करते हैं कि इस फिल्म को दुबारा देखा जाये क्योंकि यह फिल्म तथ्यों से परे है। ऐसी फिल्म बनाये जाने के लिये हमारा विरोध है...

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN There cannot be any discussion on the statement by the Minister, not even a clarification.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: The hon. Minister has made a statement. You know, according to our convention, after a statement is made, you cannot have a discussion or clarification on that statement.

... (Interruptions)